14. १००८ श्री अनन्तनाथ जी

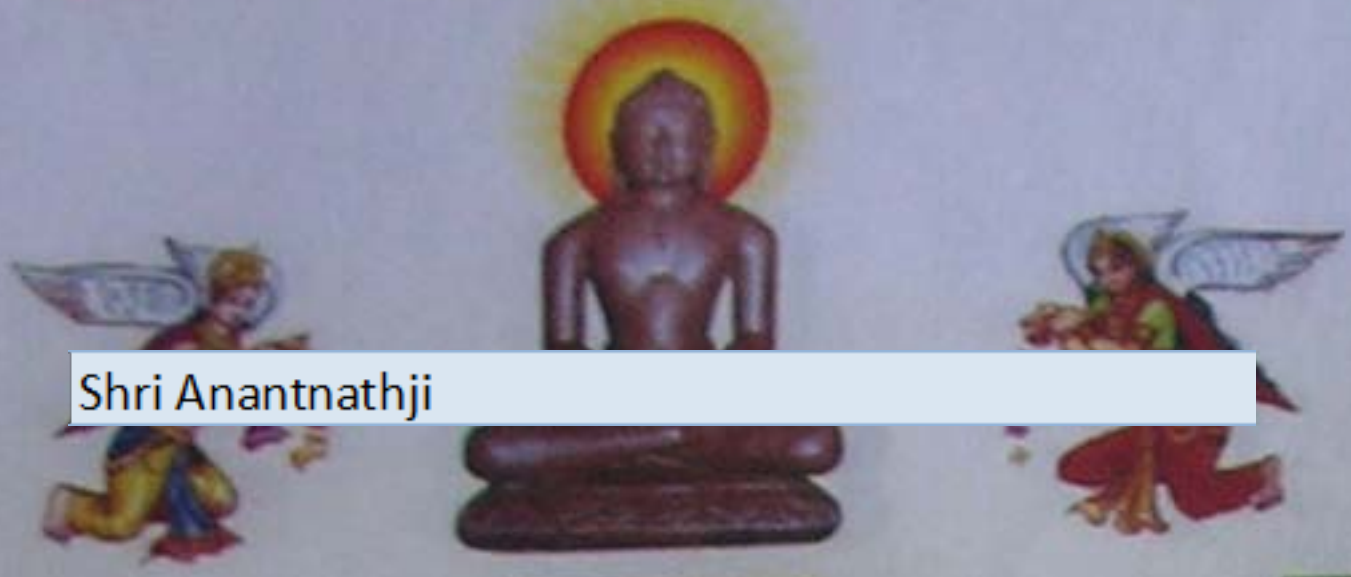

Shri Anantnathji

यक्ष
किन्नर

चिन्ह
सेही

वर्ण
पीतवर्ण

यक्षिणी
वैरोटी

अर्घ

शुचि नीर चन्दन शालि चंदन सुमन चरु दीवा धरों।
अरु धूप जुत अर्घ करि कह जोरजुग विनती करों।।
जगपूज परम पुनीत मीत, अनन्त सन्त सुहावनों।
शिव कन्त वन्त महन्त ध्यावों, भ्रन्त तन्त नशावनो।।

ॐ ह्रीं श्री अनन्तनाथ जिनेन्द्राय अनर्घ्य पद प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

कार्तिक कृष्णा-१

गर्भकल्याणक

ज्येष्ठ कृष्णा-१२

जन्मकल्याणक

ज्येष्ठ कृष्णा-१२

तपकल्याणक

चैत्र कृष्णा-३०

केवलज्ञान कल्याणक

पिता: सिंहसेन

माता: सर्वयशा

मोक्ष स्थान श्री सम्मेदशिखर जी

चैत्र कृष्णा-४

मोक्षकल्याणक